न्यायालय न्याय निर्णयन अधिकारी एवं अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

पीठासीन अधिकारी : उम्मेदसिंह रतनू, आर0ए0एस0

खाद्य सुरक्षा परिवाद सं. 20/2022

प्रार्थी –
राजस्थान सरकार जरिये
खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर

बनाम

अप्रार्थीगण –

1. हिन्दुसिंह पुत्र धनसिंह जाति राजपुरोहित निवासी बिसूकला, शिव, हाल चौहटन जिला बाड़मेर (मैसर्स माँ भवानी बीकानेर मिष्ठान भण्डार चौहटन, बाड़मेर का मुनीम)
2. ओम प्रकाश पुत्र धनसिंह जाति राजपुरोहित निवासी बिसूकला, शिव, हाल चौहटन जिला बाड़मेर (मैसर्स माँ भवानी बीकानेर मिष्ठान भण्डार चौहटन, बाड़मेर का मालिक एवं खाद्य अनुज्ञापत्र धारक)

परिवाद अन्तर्गत धारा 26(2)(ii) सहपठित धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006

उपस्थिति :–

1. अभियोजन अधिकारी प्रार्थी की ओर से उपस्थित।
2. श्री प्रतापसिंह राठौड़, अधिवक्ता अप्रार्थीगण की ओर से उपस्थित।

आदेश

दिनांक : 06.09.2022

1. प्रार्थी की ओर से यह परिवाद खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा धारा 26 की उप धारा (2)(ii) के उल्लंघन के फलस्वरूप धारा 51 खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के अन्तर्गत अप्रार्थीगण के विरूद्ध प्रस्तुत किया गया है। खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा प्रस्तुत परिवाद के संक्षिप्त तथ्य यह हैं कि प्रार्थी ने दौराने गश्त दिनांक **02.02.2022** को अप्रार्थी संख्या 2 के प्रतिष्ठान **मैसर्स माँ भवानी बीकानेर मिष्ठान भण्डार चौहटन, बाड़मेर** में निरीक्षण के दौरान पर एक फ्रीज में लगभग 5–6 लीटर विक्रय हेतु रखा गया खाद्य पदार्थ **दही (शक्कर युक्त मीठा)** भरा हुआ पाया, को मिलावट का होने के शक पर नियमानुसार कुल **800 ग्राम दही (शक्कर युक्त मीठा)** वास्ते नमूना क्रय किया जाकर नमूना संख्या **पी–1542** अंकित कर इसकी जांच खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006 के तहत कराये जाने हेतु प्रपत्र–5(ए) भरकर अप्रार्थीगण एवं गवाह व वि[illegible]उक्त खाद्य पदार्थ **दही (शक्कर युक्त मीठा)** का नमूना वास्ते जांच खाद्य विश्लेषक, राज्य खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर को भिजवाया गया। खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर द्वारा उक्त खाद्य पदार्थ **दही (शक्कर युक्त मीठा)** [illegible] (**Sub-standard**) [illegible] जाने पर अप्रार्थीगण को जरिये नोटिस सूचना दी गई, [illegible] पर अप्रार्थीगण द्वारा [illegible] ऐतराज प्रस्तुत नहीं किया गया। इस पर प्रार्थी खाद्य सुरक्षा अधिकारी बाड़मेर द्वारा यह परिवाद प्रस्तुत

Signature Not Verified
Digitally signed by Ummed Singh Ratnu
Date: 2022.09.23 11:09:20 IST
Reason: SelfAttested

न्याय निर्णयन अधिकारी एव
अपर जिला मजिस्ट्रेट बाडमेर

कर अप्रार्थीगण को खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(ii) का उल्लंघन करने के लिए अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्माना से दण्डित करने का निवेदन किया है।

2. अप्रार्थीगण को जरिये रजिस्टर्ड नोटिस तलब किया गया। अप्रार्थीगण जरिये अधिवक्ता उपस्थित।

3. हमने प्रस्तुत परिवाद पर अभियोजन अधिकारी एवं अधिवक्ता अप्रार्थीगण की बहस सुनी गई। प्रार्थी की ओर से प्रस्तुत परिवाद का अवलोकन किया एवं पत्रावली में प्रस्तुत दस्तावेजों का अवलोकन किया गया। अप्रार्थीगण द्वारा कारित अपराध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के अन्तर्गत जुर्माना से दण्डनीय है तथा खाद्य पदार्थों से सम्बन्धित सुरक्षा मानकों के प्रति उदासीनता मानव स्वास्थ्य के प्रति गम्भीर अपराध की श्रेणी में माना गया है। अप्रार्थी संख्या 2 के प्रतिष्ठान से लिये गये खाद्य पदार्थ नमूना की खाद्य विश्लेषक, खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्रयोगशाला जोधपुर से प्राप्त नमूना जांच रिपोर्ट दिनांक **18.02.2022** में उक्त नमूना **अवमानक (Sub-standard)** खाद्य का पाया गया है। प्रयोगशाला जांच रिपोर्ट अनुसार **Milk Fat** मानक स्तर न्यूनतम 4.50% के मुकाबले 1.07% पाया गया है जो कि मानक स्तर से अत्यन्त कम है। इस पर अप्रार्थीगण को पदाभिहीत अधिकारी एवं इस न्यायालय द्वारा नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया। प्रत्येक अवसर पर सुनवाई का अवसर दिये जाने के बावजूद अप्रार्थीगण द्वारा अपने प्रतिरक्षण में कोई ठोस एवं तथ्यात्मक जवाब प्रस्तुत नहीं किया है। इस प्रकार अप्रार्थीगण द्वारा उनके प्रतिष्ठान से विक्रय हेतु रखे गये खाद्य पदार्थ की मानकता के स्तर का नहीं होने से उसकी गुणवता के लिए उसका उत्तरदायित्व खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के अन्तर्गत अप्रार्थीगण का है। लिहाजा अप्रार्थी के विरूद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 की उप धारा (2)(ii) का उल्लंघन करने के लिए अधिनियम की धारा 51 के तहत जुर्म प्रमाणित है।

4. अतः उपर्युक्त तथ्यों एवं परिस्थितियों पर विवेचन उपरांत अप्रार्थीगण के विरूद्ध अपराध धारा 51 खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 प्रमाणित होने से अप्रार्थीगण पर संयुक्त रूप से **रूपये 15,000/–** का जुर्माना अधिरोपित किया जाता है। अप्रार्थीगण उक्त जुर्माना राशि का बैंक डिमाण्ड ड्राफ्ट मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बाड़मेर के नाम पेश करें, जो पेश होने पर सम्बन्धित अधिकारी को राजकोष मे जमा करवाने हेतु भिजवाया जावें। पत्रावली निर्णय शुमार होकर दाखिल दफ्तर हों।

5. आदेश आज दिनांक **06.09.2022** को खुले न्यायालय में सुनाया गया।

(उम्मेदसिंह रत्नू)
न्याय निर्णयन अधिकारी एवं
अपर जिला मजिस्ट्रेट, बाड़मेर

Signature Not Verified

Digitally signed by Ummed Singh Ratnu
Date: 2022.09.23 11:09:20 IST
Reason: SelfAttested